SET A

Name of the course: B.A. (Hons) Economics (DSE)
Scheme/Mode of examination: CBCS Semester V
Name of the paper: Political Economy I
UPC/Subject Code: 12277505
Time: 3 hours **Maximum Marks: 75**

Instructions for Candidates

1. Answer **any 4** questions.
2. All questions carry equal marks.
3. Answers may be written either in English or in Hindi, but the same medium should be used throughout the paper.

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिये|
2. सभी प्रश्नों के अंक समान हैं|
3. प्रश्नो के उत्तर हिंदी अथवा अंग्रेजी माध्यम में लिखिये परन्तु सभी प्रश्नों का उत्तर एक ही माध्यम में होना चाहिए|

1. Analyse the view that people's material lives shape their ideas and thought structures as well as the political, legal and other such institutions.
लोगों का भौतिक जीवन उनके विचारों तथा विचार संरचनाओं के साथ-साथ राजनैतिक, कानूनी एवं अन्य ऐसी संस्थाओं को आकार देता है। इस दृष्टिकोण का विश्लेषण करें।

2. Critically discuss the standard views of the transition from feudalism to capitalism. Do you think that such positions miss out the essential features of the actual genesis of capitalism? Discuss.
सामंतवाद से पूंजीवाद में संक्रमण के मानक विचारों पर आलोचनात्मक विश्लेषण करें। क्या आपको लगता है कि इस तरह की सोच से पूंजीवाद की वास्तविक उत्पत्ति की आवश्यक विशेषताएं कहीं छूट गयी हैं? चर्चा करें।

3. Explain why the internal logic of the M-C-M′ circuit has been described as the process of "inescapable dissolution" and "problematic recapture" of individual capital under the pressure of capitalist competition. In this context, explore the role of technological progress and its social consequences.

munotes.in

M-C-M - सर्किट के आंतरिक तर्क को पूंजीवादी प्रतिस्पर्धा के दबाव में "अपरिहार्य विघटन" तथा व्यक्तिगत पूंजी की "समस्याग्रस्त पुनरावृत्ति" की प्रक्रिया के रूप में वर्णित क्यों किया गया है। समझाये। इस संदर्भ में, तकनीकी प्रगति तथा उसके सामाजिक परिणामों की भूमिका का पता लगाएं।

4. Explain the term "creative destruction". Discuss how Schumpeter analysed the presence of various "restrictive monopoly practices" and "price rigidities" as inevitable strategies to counter such tendencies of creative destruction.
"रचनात्मक विनाश" शब्द की व्याख्या करें| किस प्रकार से शुम्पीटर ने "प्रतिबंधात्मक एकाधिकार प्रथाओं" एवं "कीमत जड़ता" की उपस्थिति को अपरिहार्य रणनीतियों के रूप में "रचनात्मक विनाश" का मुकाबला करने के लिए अवश्यंभावी माना है। विश्लेषण करें।

5. What is the difference between 'globalization' today with the globalization in Lenin's times? Analyze the implications of the current globalization for the third world economies.
आज के 'वैश्वीकरण' तथा लेनिन के समय के वैश्वीकरण के बीच क्या अंतर है? तीसरी दुनिया की अर्थव्यवस्थाओं पर वर्तमान वैश्वीकरण के निहितार्थों का विश्लेषण करें।

6. Write a detailed note on **any one** of the following:
   a) Reasons and consequences of the opposition to full employment by powerful business groups.
   b) The "masking of functions" between the economic and political realms as a distinctive feature of capitalism
   c) "Possibility" and "Necessity" theories of capitalist crisis.
   d) "Fictitious capital" and its role in contemporary capitalist dynamics and crisis.

   निम्नलिखित में से किसी एक पर विस्तृत टिप्पणी लिखें:
   a) शक्तिशाली व्यापारिक समूहों द्वारा पूर्ण रोजगार के विपक्ष के कारण तथा परिणाम।
   b) पूंजीवाद की विशिष्ट विशेषता के रूप में आर्थिक एवं राजनीतिक शासन क्षेत्र के कार्यों पर नकाब की प्रवृति
   c) "संभावना" तथा "आवश्यकता" पूंजीवादी संकट के सिद्धांत।
   d) "काल्पनिक पूंजी" तथा समकालीन पूंजीवादी गतिशीलता एवं संकट में इसकी भूमिका।

munotes.in